अध्यक्षीय शोध कदम के अंतर्गत जल से संबंधित मुद्दों के बारे में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली, 03 मई, 2016: लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन के युगांतरकारी प्रयास, अध्यक्षीय शोध कदम के तत्वावधान में संसद की दोनों सभाओं के सदस्यों के लाभार्थ 4 और 5 मई, 2016 को 1600 बजे से बी पी एस टी मुख्य व्याख्यान कक्ष, प्रथम तल, संसदीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली में तीन परस्पर जुड़े विषयों अर्थात् (एक) सूखा और संबंधित कृषि समस्याएं (दो) पेयजल प्रबंधन - समस्याएं और मुद्दे (तीन) जल प्रबंधन के लिए नदियों का अंतर्योजन पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

पिछले कुछ समय से देश के विभिन्न भागों में पेयजल की भारी कमी की समस्या की ओर नीति-निर्माताओं और विधि निर्माताओं का ध्यान आकर्षित हुआ है। ऐसा समझा जाता है कि ये मुख्यतः मानवकृत समस्याएं हैं जो पर्यावरणीय, सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक कारणों से उत्पन्न हुई हैं। इस मुद्दे से संबंधित कुछ मुख्य कारक हैः जलवायु परिवर्तन; जल भंडारण, वितरण और प्रबंधन; कुंओं और बावड़ियों, तालाबों इत्यादि जैसे जल संसाधनों का संरक्षण और पुनर्भरण इत्यादि; वर्षा जल संरक्षण सुनिश्चित करना उपयुक्त प्रशासनिक नीतियों के माध्यम से जल की बर्बादी को रोकना और नदियों का अंतर्योजन। अतः, देश भर के विधि निर्माताओं, मीडिया और अन्य संबंधित व्यक्तियों को इन जटिल समस्याओं का समाधान खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

इस दो दिवसीय कार्यशाला का संचालन कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग के पूर्व सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डा. मंगला राय; राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण के महानिदेशक, श्री एस. मसूद हुसैन; बांधों, नदियों और लोगों से संबंधित दक्षिण एशियाई नेटवर्क के समन्वयकर्ता, श्री हिमांशु ठक्कर; गांधी शांति प्रतिष्ठान से श्री अनुपम मिश्रा और श्री सोपान जोशी; "संभव" से संबद्ध श्री फरहाद कांट्रैक्टर और डा. इंदिरा खुराना (आईपीई ग्लोबल) सहित सुविख्यात विशेषज्ञ करेंगे।